M.A. Drg & Ptg Unit. III, IV

History of European Art. M.A. IV Sem.

बैरोक कला -

17 सत्रहवीं शताब्दी यूरोपीय चित्र कला की महत्त्वपूर्ण सदी मानी जाती है इससे पूर्व की 15 वीं शताब्दी की पुर्नजागरण कालीन कला या पुनरुत्थान काल को हम 17 वीं शताब्दी की कला से पृथक नहीं कर सकते क्योंकि 15 वी शताब्दी मे प्रचलित कला का संशोधित रूप 17 सत्रहवीं शताब्दी की कला मे भी परिलक्षित होता है पन्द्रहवीं सदी के आरम्भ में फ्लोरेंस में जिन कला सम्बन्धी नये विचारों ने जन्म लिया उन्हीं विचारों ने ही आगे चलकर लगभग सौ वर्षों तक संशोधित होकर और सुदृढ़ रूप अपनाया। इटली में हुए पुनरुत्थान ने शेष यूरोप को सामाजिक एवं धार्मिक मूल्य तथा जीवन के प्रति नया दृष्टिकोण प्रदान किया। मूलभूत समानताओं के बावजूद फ्रांस, इटली, स्पेन, इंग्लैण्ड आदि देशों की कलाओं मे प्रादेशिक विशेषताओं का उद्भव हुआ।

इस समय जो कुछ भी परिवर्तन हुए उनका मूल स्रोत पुनरुत्थानकालीन कला ही थी क्योंकि सोलहवीं सदी के अन्त तक पुनरुत्थान काल के महान कलाकारों एवं रीतिवादी कलाकारों ~~एवं~~ की मृत्यु हो चुकी थी। पुनरुत्थानकालीन कला शैली इससे काफी अन्तर पड़ा। अब कला में पुनः जीवन संचार कराने के लिये आत्मिक एवं ऐन्द्रिय अनुभूतियों के बीच की दूरी को समाप्त कर, कला एवं प्रकृति के बीच सुसंवादित्व का निर्माण करना आवश्यक था।

दृश्य भौतिक जगत को आत्मिक अनुभूति को व्यक्त करने की कला को आरम्भ करने का कार्य बॅरोक कलाकारों ने किया उन्होंने नयी कला शैली में मुख्य रूप से मानवीय भावनाओं के चित्रण को प्रधानता प्रदान करते हुए कला को परम्परागत रूढ़ियों से मुक्त किया। जिससे आनन्ददायी कला का चित्रण प्रारम्भ हुआ। इसी विचार के कारण कला, संस्कृति, विज्ञान व दर्शन के विचार से सत्रहवी सदी एक महान सदी मानी गयी कला जगत मे बॅरोक कला को विशिष्ट समृद्धि व गौरव प्राप्त हुआ। इस दृष्टिकोण से भी यह सदी कला विशेष रूप से यूरोप की कला की महत्वपूर्ण कला शैली मानी गयी।

<u>बॅरोक कला का नामकरण</u> - ऐसा माना जाता है कि 'बॅरोक' एक पुर्तगाली शब्द है बरोको से बना है जिसका अंग्रेजी और फ्रेंच मे अर्थ है "बारोक" और जर्मन में "बैंक" है जिसका अर्थ है "विकृत मोती"। ऐसा प्रतीत होता है 'बरोक' शब्द का प्रयोग आरम्भ में निन्दात्मक दृष्टि से किया गया। 'बरोक' शब्द का विशेष प्रचलन 18वीं सदी में होने लगा व 1977 में प्रकाशित हुए फ्रान्चेस्को मिलीत्सिआ के शब्द कोष में 'बॅरोक' शब्द की परिभाषा की जिसके अनुसार 'बॅरोक' शब्द का अर्थ है- "अत्यधिक बेतुका"। 'हाइनरिश वौल्फालिन' ने सन 1888 में प्रकाशित अपनी पुस्तक "पुनरुत्थान व बरोक" में 'बॅरोक' शब्द के निन्दात्मक भावार्थ को दूर करने का प्रयास किया। इसके लिये उन्होंने 'पुनरुत्थान कालीन' कला व 'बॅरोक कला' की तुलना करते हुए अनेक तर्क प्रस्तुत किये। (जिनका अध्ययन हम आगे करेंगे)

Scanned with CamScan